स्वतंत्रता

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» स्वतंत्रता का अर्थ और महत्व

प्रश्न 1 (आसान). स्वतंत्रता का सबसे सरल अर्थ क्या है?
उत्तर – स्वतंत्रता का सरल अर्थ है 'बाहरी प्रतिबंधों का अभाव' (absence of external restraints)।

प्रश्न 2 (आसान). नेल्सन मंडेला ने अपने जीवन के कितने वर्ष जेल में बिताए?
उत्तर – नेल्सन मंडेला ने अपने जीवन के 'सत्ताईस वर्ष' (27 years) जेल में बिताए।

प्रश्न 3 (मध्यम). आँग सान सू की ने स्वतंत्रता के बारे में क्या कहा है? उनकी पुस्तक का शीर्षक क्या है?
उत्तर – आँग सान सू की का कहना है, 'मेरे लिए वास्तविक मुक्ति भय से मुक्ति है।' उनकी पुस्तक का शीर्षक 'Freedom From Fear' (भय से मुक्ति) है।

प्रश्न 4 (कठिन). स्वतंत्रता का अर्थ केवल बाहरी प्रतिबंधों का अभाव क्यों नहीं है? दूसरा महत्वपूर्ण पहलू क्या है?
उत्तर – स्वतंत्रता का अर्थ केवल बाहरी प्रतिबंधों का अभाव नहीं है क्योंकि यह 'आत्म-अभिव्यक्ति की योग्यता का विस्तार करना' (extension of self-expression ability) और 'व्यक्ति के अंदर की संभावनाओं को विकसित करना' (developing inner potential) भी है। यह वह स्थिति है जहाँ व्यक्ति अपनी रचनात्मकता और क्षमताओं का पूरा विकास कर सकें।

» स्वतंत्रता का आदर्श: नेल्सन मंडेला और आँग सान सू की के उदाहरण

प्रश्न 5 (आसान). नेल्सन मंडेला ने किस देश में रंगभेद के खिलाफ लड़ाई लड़ी?
उत्तर – दक्षिण अफ्रीका

प्रश्न 6 (आसान). आँग सान सू की की किताब का शीर्षक क्या है?
उत्तर – 'Freedom from Fear' (भय से मुक्ति)

प्रश्न 7 (मध्यम). नेल्सन मंडेला ने स्वतंत्रता के लिए कितने साल जेल में बिताए?
उत्तर – सत्ताईस साल (27 वर्ष)

प्रश्न 8 (कठिन). आँग सान सू की के अनुसार सच्ची मुक्ति क्या है?
उत्तर – उनके अनुसार सच्ची मुक्ति 'भय से मुक्ति' है, क्योंकि भय के बिना ही एक गरिमापूर्ण मानवीय जीवन जिया जा सकता है।

» स्वतंत्रता की परिभाषा: बाहरी प्रतिबंधों का अभाव और आत्म-अभिव्यक्ति

प्रश्न 9 (आसान). अगर कोई बच्चा अपनी पसंद का गाना गा रहा है और उसे कोई रोक नहीं रहा, तो यह स्वतंत्रता का कौन सा पहलू है?
उत्तर – आत्म-अभिव्यक्ति और क्षमताओं का विकास।

प्रश्न 10 (आसान). जब एक व्यक्ति को अपनी मर्ज़ी से कपड़े पहनने की आज़ादी होती है, तो यह स्वतंत्रता के किस हिस्से में आता है?
उत्तर – बाहरी प्रतिबंधों का अभाव।

प्रश्न 11 (मध्यम). क्या किसी व्यक्ति को सरकार के खिलाफ़ विरोध प्रदर्शन करने की आज़ादी, 'बाहरी प्रतिबंधों का अभाव' है या 'आत्म-अभिव्यक्ति'?
उत्तर – यह दोनों पहलू हैं। सरकार का विरोध न करना 'बाहरी प्रतिबंधों का अभाव' है, और विरोध के ज़रिए अपनी बात रखना 'आत्म-अभिव्यक्ति' है।

प्रश्न 12 (कठिन). एक ऐसा समाज जो अपने सदस्यों को न्यूनतम सामाजिक अवरोधों के साथ अपनी संभावनाओं के विकास में समर्थ बनाता है, वह कैसा समाज होगा?
उत्तर – यह एक स्वतंत्र समाज होगा, क्योंकि यह बाहरी प्रतिबंधों को कम करता है और आत्म-अभिव्यक्ति व क्षमता विकास के अवसर भी प्रदान करता है।

» स्वराज की अवधारणा

प्रश्न 13 (आसान). स्वराज का शाब्दिक अर्थ क्या है?
उत्तर – 'स्व' का राज।

प्रश्न 14 (आसान). गांधी जी की किस पुस्तक में स्वराज की अवधारणा पर विस्तार से चर्चा की गई है?
उत्तर – हिंद स्वराज।

प्रश्न 15 (मध्यम). बाल गंगाधर तिलक का स्वराज से जुड़ा प्रसिद्ध नारा क्या था?
उत्तर – स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा।

प्रश्न 16 (कठिन). स्वराज की अवधारणा में 'स्व' का शासन और 'स्व' के ऊपर शासन में क्या अंतर है? उदाहरण सहित समझाइए।
उत्तर – 'स्व' का शासन मतलब बाहरी आज़ादी, जैसे देश का अपना शासन होना। 'स्व' के ऊपर शासन मतलब व्यक्ति का अपनी इच्छाओं, आदतों पर नियंत्रण रखना। उदाहरण: भारत की अंग्रेज़ों से आज़ादी 'स्व' का शासन है, और खुद के आलस्य पर काबू पाना 'स्व' के ऊपर शासन है।

» प्रतिबंधों की आवश्यकता और औचित्य

प्रश्न 17 (आसान). अगर स्कूल में पढ़ाई के लिए कोई टाइम-टेबल (समय-सारणी) न हो, तो क्या होगा?
उत्तर – पढ़ाई में 'अव्यवस्था' फैल जाएगी, कोई भी टीचर कभी भी आ सकता है, बच्चे नहीं सीख पाएंगे।

प्रश्न 18 (आसान). आपके घर में बड़े आपसे कुछ नियमों का पालन करने को क्यों कहते हैं?
उत्तर – घर में शांति, सुरक्षा और 'व्यवस्था' बनाए रखने के लिए, ताकि कोई 'नुकसान' न हो।

प्रश्न 19 (मध्यम). क्या समाज में सभी तरह के प्रतिबंध अच्छे होते हैं? क्यों या क्यों नहीं?
उत्तर – नहीं, सभी प्रतिबंध अच्छे नहीं होते। 'आवश्यक और औचित्यपूर्ण' प्रतिबंध ही अच्छे होते हैं, जो समाज की भलाई के लिए हों और किसी की 'स्वतंत्रता' को अनावश्यक रूप से न छीनें।

प्रश्न 20 (कठिन). गांधी जी ने 'स्वराज' में 'स्व' पर शासन की बात की थी, और हम यहाँ 'प्रतिबंधों' की बात कर रहे हैं। इन दोनों में क्या संबंध है?
उत्तर – गांधी जी का 'स्व' पर शासन आंतरिक नियंत्रण है, अपनी इच्छाओं पर। 'प्रतिबंध' बाहरी नियंत्रण हैं। दोनों का लक्ष्य 'सामाजिक व्यवस्था' और 'शांति' है। जब व्यक्ति खुद पर शासन नहीं कर पाते, तब समाज को बाहरी 'प्रतिबंधों' की ज़रूरत पड़ती है।

» उदारवाद और व्यक्ति का महत्व

प्रश्न 21 (आसान). उदारवाद के अनुसार, सबसे महत्वपूर्ण कौन है?
उत्तर – व्यक्ति (Individual)

प्रश्न 22 (आसान). उदारवाद किस मूल्य को बढ़ावा देता है?
उत्तर – सहनशीलता (Tolerance)

प्रश्न 23 (मध्यम). उदारवाद में किसी व्यक्ति के विवाह का निर्णय कौन लेता है?
उत्तर – व्यक्ति स्वयं, न कि परिवार या समुदाय।

प्रश्न 24 (कठिन). क्या उदारवाद हमेशा सरकार की भूमिका को पूरी तरह नकारता है? समझाइए।
उत्तर – ऐतिहासिक रूप से उदारवाद ने मुक्त बाज़ार और राज्य की न्यूनतम भूमिका का पक्ष लिया था, लेकिन अब वे कल्याणकारी राज्य की भूमिका को स्वीकार करते हैं और मानते हैं कि सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को कम करने वाले उपायों की जरूरत है।

» जॉन स्टुअर्ट मिल का हानि सिद्धांत

प्रश्न 25 (आसान). जॉन स्टुअर्ट मिल का 'हानि सिद्धांत' किस विषय से संबंधित है?
उत्तर – व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सीमा तय करने से।

प्रश्न 26 (आसान). मिल के अनुसार, सरकार कब किसी व्यक्ति के काम में हस्तक्षेप कर सकती है?
उत्तर – जब उसके काम से दूसरों को नुकसान पहुँच रहा हो।

प्रश्न 27 (मध्यम). अगर कोई व्यक्ति अकेले जंगल में बैठकर ज़ोर-ज़ोर से चिल्ला रहा है, तो क्या मिल के सिद्धांत के अनुसार उस पर रोक लगानी चाहिए? क्यों?
उत्तर – नहीं, क्योंकि इससे किसी और को नुकसान नहीं पहुँच रहा है। यह 'स्वसंबद्ध' कार्य है।

प्रश्न 28 (कठिन). क्या अपने स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाना (जैसे बहुत ज़्यादा जंक फूड खाना) मिल के 'हानि सिद्धांत' के तहत हस्तक्षेप का आधार हो सकता है? विस्तार से समझाएँ।
उत्तर – सीधे तौर पर नहीं, क्योंकि यह मुख्य रूप से 'स्वसंबद्ध' कार्य है। मिल का सिद्धांत 'harm to others' पर केंद्रित है, न कि 'harm to self' पर। जब तक यह दूसरों पर नकारात्मक प्रभाव न डाले (जैसे समाज पर स्वास्थ्य देखभाल का बोझ बढ़ाना), तब तक हस्तक्षेप न्यायोचित नहीं माना जाएगा। मिल का मानना था कि व्यक्ति को अपने जीवन के लिए निर्णय लेने की स्वतंत्रता होनी चाहिए, भले ही वे निर्णय उसके लिए हानिकारक क्यों न हों, जब तक कि वे दूसरों को प्रभावित न करें।

» सकारात्मक और नकारात्मक स्वतंत्रता

प्रश्न 29 (आसान). अगर सरकार आपको अपनी पसंद की नौकरी चुनने की आज़ादी दे, तो यह कौन सी स्वतंत्रता है?
उत्तर – यह 'नकारात्मक स्वतंत्रता' है क्योंकि कोई बाहरी आपको रोक नहीं रहा।

प्रश्न 30 (आसान). अगर सरकार आपको नौकरी ढूंढने के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाए, तो यह कौन सी स्वतंत्रता है?
उत्तर – यह 'सकारात्मक स्वतंत्रता' है क्योंकि यह आपको अपनी क्षमता विकसित करने और अवसर पाने में मदद कर रही है।

प्रश्न 31 (मध्यम). एक व्यक्ति को वोट डालने से कोई नहीं रोकता, लेकिन अगर उसे राजनीतिक व्यवस्था की जानकारी ही न हो, तो उसे किस प्रकार की स्वतंत्रता का अभाव है?
उत्तर – उसे वोट डालने की 'नकारात्मक स्वतंत्रता' तो है (कोई रोक नहीं रहा), लेकिन उसे राजनीतिक जानकारी न होने से 'सकारात्मक स्वतंत्रता' का अभाव है, क्योंकि वह अपनी क्षमता का पूरा उपयोग करके सही निर्णय नहीं ले पा रहा।

प्रश्न 32 (कठिन). क्या ऐसा हो सकता है कि किसी समाज में 'नकारात्मक स्वतंत्रता' बहुत ज़्यादा हो लेकिन 'सकारात्मक स्वतंत्रता' बहुत कम हो? उदाहरण देकर समझाओ।
उत्तर – हाँ, बिल्कुल हो सकता है। जैसे एक ऐसा देश जहाँ किसी भी व्यक्ति को कुछ भी करने से रोका नहीं जाता (बहुत ज़्यादा नकारात्मक स्वतंत्रता)। वह अपनी मर्ज़ी से कहीं भी रह सकता है, कुछ भी पहन सकता है, कुछ भी बोल सकता है। लेकिन उस देश में अगर बहुत गरीबी हो, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएँ बहुत खराब हों, तो लोगों के पास अपनी क्षमताएँ विकसित करने के अवसर ही नहीं होंगे। ऐसे में उनके पास 'नकारात्मक स्वतंत्रता' तो होगी, लेकिन 'सकारात्मक स्वतंत्रता' बहुत कम होगी।

» अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और उसके प्रतिबंध

प्रश्न 33 (आसान). अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का एक उदाहरण दीजिए।
उत्तर – अपने विचार बोलकर या लिखकर व्यक्त करना।

प्रश्न 34 (आसान). जॉन स्टुअर्ट मिल के अनुसार, क्या कोई विचार पूरी तरह गलत होता है?
उत्तर – नहीं, वे कहते हैं कि कोई भी विचार पूरी तरह गलत नहीं होता।

प्रश्न 35 (मध्यम). अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध कब उचित हो सकते हैं?
उत्तर – जब किसी के बोलने से दूसरों को सीधा नुकसान हो, या देश की सुरक्षा को खतरा हो।

प्रश्न 36 (कठिन). मिल के किस तर्क के अनुसार, बहस और विरोधी विचारों का महत्व है?
उत्तर – वे कहते हैं कि 'सत्य विरोधी विचारों के टकराव से पैदा होता है'।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. नेल्सन मंडेला ने किस चीज़ के लिए संघर्ष किया और उनके संघर्ष को 'Long Walk to Freedom' क्यों कहा गया?

› नेल्सन मंडेला ने दक्षिण अफ्रीका में 'रंगभेदी शासन' (Apartheid regime) के खिलाफ संघर्ष किया, जहाँ काले लोगों पर 'नस्ल के आधार पर भेदभाव' (racial discrimination) और 'अन्यायपूर्ण प्रतिबंध' (unjust restrictions) लगाए जाते थे।

› इन प्रतिबंधों में 'शहरों में आवागमन पर रोक', 'विवाह करने की स्वतंत्रता पर पाबंदी' जैसी चीजें शामिल थीं, जो 'गरिमापूर्ण मानवीय जीवन' (dignified human life) जीने से रोकती थीं।

› उनके संघर्ष को 'Long Walk to Freedom' कहा गया क्योंकि 'उन्होंने सत्ताईस वर्ष जेल में बिताए' और 'व्यक्तिगत रूप से बहुत भारी कीमत चुकाई' ताकि सभी लोगों को, चाहे वे काले हों या गोरे, 'स्वतंत्रता और समानता' (freedom and equality) मिल सके।

› यह सिर्फ़ शारीरिक आज़ादी नहीं थी, बल्कि 'अपने जीवन और नियति का नियंत्रण स्वयं करने' (control over one's life and destiny) और 'अपनी इच्छाओं और गतिविधियों को आज़ादी से व्यक्त करने' (freely express desires and activities) की आज़ादी थी।

उत्तर – नेल्सन मंडेला ने दक्षिण अफ्रीका के रंगभेदी शासन के खिलाफ सभी लोगों की स्वतंत्रता और समानता के लिए संघर्ष किया। उनके 27 साल के कारावास और लगातार संघर्ष को 'Long Walk to Freedom' कहा गया क्योंकि यह सिर्फ़ एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि एक पूरे राष्ट्र की अपने मौलिक अधिकारों और गरिमापूर्ण जीवन की लंबी और कठिन यात्रा थी।

उदाहरण 2. नेल्सन मंडेला और आँग सान सू की ने किस आदर्श स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया और उन्होंने इसके लिए क्या कीमत चुकाई?

› पहला, हम समझेंगे कि नेल्सन मंडेला ने दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद (Apartheid) के खिलाफ संघर्ष किया। वे सभी लोगों के लिए समानता और गरिमापूर्ण जीवन की स्वतंत्रता चाहते थे।

› दूसरा, उन्होंने इसके लिए 27 साल जेल में बिताए, अपने परिवार और निजी जीवन के सुखों का त्याग किया। उनकी आत्मकथा का नाम 'Long Walk to Freedom' है, जो उनके लंबे और कठिन संघर्ष को दर्शाता है।

› तीसरा, हम आँग सान सू की की बात करेंगे। उन्होंने म्यांमार में सैनिक शासन के खिलाफ लोकतान्त्रिक स्वतंत्रता और 'भय से मुक्ति' के लिए संघर्ष किया।

› चौथा, उन्हें अपने ही घर में नज़रबंद रखा गया, अपने बच्चों और बीमार पति से भी मिलने नहीं दिया गया। उनकी पुस्तक का नाम 'Freedom from Fear' है, जो उनके आदर्श को दर्शाता है।

उत्तर – नेल्सन मंडेला ने रंगभेद से मुक्ति और समानता के लिए, जबकि आँग सान सू की ने लोकतान्त्रिक स्वतंत्रता और भय से मुक्ति के लिए संघर्ष किया। दोनों ने इसके लिए अपनी व्यक्तिगत आज़ादी, परिवार और वर्षों तक कारावास की भारी कीमत चुकाई।

उदाहरण 3. सोचिए कि आपके गांव में एक नई लाइब्रेरी खुलती है, जिसमें सभी बच्चों को किताबें पढ़ने की और अपनी कहानियां लिखने की छूट है। यह स्वतंत्रता के किस पहलू को दर्शाता है?

› पहला पहलू है 'बाहरी प्रतिबंधों का अभाव'। अगर बच्चों को लाइब्रेरी जाने से कोई रोकता नहीं है, तो यह बाहरी प्रतिबंधों का अभाव है।

› दूसरा पहलू है 'आत्म-अभिव्यक्ति और क्षमताओं का विकास'। लाइब्रेरी में बच्चे अपनी पसंद की किताबें पढ़कर या अपनी कहानियां लिखकर अपनी रचनात्मकता और ज्ञान को बढ़ा सकते हैं।

› यह अवसर उन्हें अपनी प्रतिभा को निखारने और खुद को बेहतर तरीके से अभिव्यक्त करने की स्वतंत्रता देता है।

उत्तर – यह उदाहरण स्वतंत्रता के दूसरे पहलू, यानी 'आत्म-अभिव्यक्ति और क्षमताओं के विकास' को दर्शाता है, क्योंकि यह बच्चों को अपनी रचनात्मकता और ज्ञान को बढ़ाने का अवसर दे रहा है।

उदाहरण 4. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में स्वराज की अवधारणा क्यों महत्वपूर्ण थी?

› पहला कदम है समझना कि स्वराज केवल राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं था। यह 'स्व' का शासन था, यानि अंग्रेजों से मुक्ति पाकर अपना देश खुद चलाना।

› दूसरा, स्वराज 'स्व' के ऊपर शासन भी था। मतलब, व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर आत्म-सुधार, अपनी बुराइयों पर नियंत्रण और आत्म-निर्भरता लाना।

› तीसरा, यह सिर्फ सरकार बदलने की बात नहीं थी, बल्कि समाज और व्यक्ति के नैतिक उत्थान की भी बात थी। इसलिए, यह एक मूल्य के तौर पर भी महत्वपूर्ण था।

› चौथा, इसी वजह से बाल गंगाधर तिलक जैसे नेताओं ने 'स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है' का नारा दिया, क्योंकि यह लोगों को बाहरी और भीतरी दोनों आज़ादी के लिए प्रेरित करता था।

› आखिर में, गांधीजी ने 'हिंद स्वराज' में समझाया कि असली स्वराज तब है जब हम अपने ऊपर शासन करना सीखें, यानी आत्म-नियंत्रण और आत्म-सम्मान के साथ जीना सीखें।

उत्तर – स्वराज भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में सिर्फ राजनीतिक आज़ादी नहीं, बल्कि 'स्व' के शासन (अपना देश चलाने) और 'स्व' के ऊपर शासन (आत्म-नियंत्रण, नैतिक विकास) दोनों की मांग थी। यह एक नारा और एक मूल्य दोनों था, जिसने स्वतंत्रता सेनानियों को बाहरी और भीतरी आज़ादी के लिए प्रेरित किया, जिससे यह आंदोलन का केंद्रीय स्तंभ बन गया।

उदाहरण 5. मान लो, एक बाज़ार में सभी दुकानदार अपनी-अपनी दुकान कहीं भी लगा दें, कोई ग्राहक पार्किंग में गाड़ी कहीं भी खड़ी कर दे, और कोई भी अपना सामान बेचने के लिए माइक पर तेज़ आवाज़ में चिल्लाए। क्या होगा?

› पहला कदम: ऐसे माहौल में कोई 'व्यवस्था' नहीं होगी।

› दूसरा कदम: ग्राहकों को सामान खरीदने में दिक्कत होगी और 'अराजकता' फैल जाएगी।

› तीसरा कदम: दुकानदारों के बीच ग्राहकों के लिए 'टकराव' होगा और शोर से 'परेशानी' होगी।

› चौथा कदम: इस स्थिति से बचने के लिए 'प्रतिबंध' जैसे कि दुकान लगाने की जगह तय करना, पार्किंग के नियम बनाना, और लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर रोक लगाना ज़रूरी हो जाता है।

उत्तर – तो, बिना प्रतिबंधों के बाज़ार में सिर्फ़ अफरा-तफरी और झगड़ा होगा, कोई काम ठीक से नहीं हो पाएगा। इसलिए कुछ प्रतिबंध ज़रूरी हैं।

उदाहरण 6. अगर एक व्यक्ति अपनी पसंद के कपड़े पहनना चाहता है, लेकिन उसका परिवार उसे रोकता है क्योंकि 'समाज क्या कहेगा'। उदारवाद के अनुसार इस स्थिति में सही क्या होगा?

› पहला कदम: उदारवाद का केंद्रीय बिंदु 'व्यक्ति' है, और उसकी 'व्यक्तिगत स्वतंत्रता' सबसे महत्वपूर्ण है।

› दूसरा कदम: उदारवाद के अनुसार, 'परिवार, समाज या समुदाय जैसी इकाइयों का अपने आप में कोई महत्त्व नहीं है,' उनका महत्त्व तभी है जब व्यक्ति उन्हें महत्त्व दे।

› तीसरा कदम: कपड़ों का चयन 'व्यक्तिगत स्वतंत्रता' का हिस्सा है, जब तक वह दूसरों को 'हानि' न पहुंचाए।

› चौथा कदम: इस स्थिति में, व्यक्ति के 'अपनी पसंद के कपड़े पहनने के अधिकार' को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, क्योंकि यह उसका व्यक्तिगत निर्णय है।

उत्तर – उदारवाद के अनुसार, व्यक्ति को अपनी पसंद के कपड़े पहनने का अधिकार है और परिवार या समाज को उसके इस व्यक्तिगत निर्णय में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

उदाहरण 7. एक व्यक्ति अपने घर की छत पर रात को ऊँची आवाज़ में संगीत बजा रहा है, जिससे पड़ोसियों को नींद आने में परेशानी हो रही है। जॉन स्टुअर्ट मिल के 'हानि सिद्धांत' के अनुसार क्या इस पर हस्तक्षेप न्यायोचित है?

› पहला कदम: हमें यह देखना होगा कि यह 'स्वसंबद्ध' कार्य है या 'परसंबद्ध' कार्य। 'Self-regarding' activities are those that affect only the individual performing them.

› दूसरा कदम: क्या इस कार्य से 'दूसरों को हानि' पहुँच रही है? 'Harm to others' is the key criterion here.

› तीसरा कदम: हाँ, इस व्यक्ति के संगीत बजाने से पड़ोसियों की नींद खराब हो रही है, जो उनके 'well-being' को नुकसान पहुँचा रहा है। यानी यह एक 'परसंबद्ध' कार्य है और इससे 'दूसरों को हानि' हो रही है।

› चौथा कदम: मिल के सिद्धांत के अनुसार, 'to prevent harm to others', इस पर हस्तक्षेप करना या रोक लगाना न्यायोचित है।

उत्तर – हाँ, जॉन स्टुअर्ट मिल के 'हानि सिद्धांत' के अनुसार इस स्थिति में ऊँची आवाज़ में संगीत बजाने से रोकने के लिए हस्तक्षेप करना न्यायोचित है, क्योंकि इससे पड़ोसियों को सीधा नुकसान पहुँच रहा है।

उदाहरण 8. कक्षा 11 में एक छात्र, राकेश, अपनी पढ़ाई के लिए रात देर तक जागना चाहता है। उसके माता-पिता उसे मना नहीं करते, लेकिन उनके घर में बिजली रात को अक्सर चली जाती है और राकेश के पास एक लैंप या इन्वर्टर खरीदने के पैसे नहीं हैं। यहाँ राकेश के पास कौन सी स्वतंत्रता मौजूद है और कौन सी नहीं?

› पहला कदम: 'नकारात्मक स्वतंत्रता' को पहचानें। राकेश के माता-पिता उसे देर रात तक पढ़ने से मना नहीं कर रहे हैं। कोई बाहरी हस्तक्षेप नहीं है जो उसे रोक रहा हो।

› दूसरा कदम: 'सकारात्मक स्वतंत्रता' को पहचानें। राकेश के पास अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए ज़रूरी 'साधन' (बिजली, लैंप या इन्वर्टर) नहीं हैं। उसे ये अवसर नहीं मिल पा रहे हैं जिससे वो अपनी क्षमता का पूरा इस्तेमाल कर सके।

› तीसरा कदम: दोनों को मिलाकर निष्कर्ष निकालें।

उत्तर – राकेश के पास देर रात तक पढ़ाई करने की 'नकारात्मक स्वतंत्रता' है क्योंकि उसे कोई बाहरी व्यक्ति रोक नहीं रहा। लेकिन उसके पास 'सकारात्मक स्वतंत्रता' नहीं है क्योंकि उसे अपनी क्षमताओं (पढ़ाई) का विकास करने के लिए ज़रूरी भौतिक साधन (बिजली/लैंप) उपलब्ध नहीं हैं।

उदाहरण 9. एक लेखक ने एक ऐसी कहानी लिखी है जिसमें एक धर्म विशेष की मान्यताओं पर सवाल उठाए गए हैं। उस धर्म के कुछ लोग इस कहानी पर प्रतिबंध लगाने की मांग कर रहे हैं। क्या इस कहानी पर प्रतिबंध लगाना उचित होगा?

› सबसे पहले, हमें जॉन स्टुअर्ट मिल के विचारों को याद करना होगा: 'कोई भी विचार पूरी तरह से गलत नहीं होता' और 'सत्य विरोधी विचारों के टकराव से पैदा होता है'।

› दूसरा, हमें यह देखना होगा कि क्या इस कहानी से 'सीधा और गंभीर नुकसान' (जैसे हिंसा भड़काना, मानहानि करना) हो रहा है या यह सिर्फ 'विचारों का टकराव' है।

› अगर कहानी सिर्फ सवाल उठा रही है और लोगों को सोचने पर मजबूर कर रही है, बिना हिंसा भड़काए या किसी को व्यक्तिगत रूप से नुकसान पहुँचाए, तो इस पर प्रतिबंध लगाना 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' के खिलाफ होगा।

› हाँ, अगर लेखक ने जानबूझकर किसी समुदाय की मानहानि की है या लोगों को हिंसा के लिए उकसाया है, तब कानूनी प्रक्रिया के तहत प्रतिबंध पर विचार किया जा सकता है, लेकिन यह 'अंतिम उपाय' होना चाहिए।

उत्तर – मिल के तर्कों के अनुसार, यदि कहानी केवल विचारों पर सवाल उठा रही है और गंभीर नुकसान नहीं पहुँचा रही है, तो उस पर प्रतिबंध लगाना अनुचित होगा। बहस और चर्चा से ही सत्य सामने आता है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• नेल्सन मंडेला और आँग सान सू की के उदाहरणों को 'स्वतंत्रता के महत्व' पर अपने उत्तरों में ज़रूर शामिल करें।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। नेल्सन मंडेला और आँग सान सू की के संघर्ष, उनकी पुस्तकों के नाम और उनके स्वतंत्रता संबंधी विचारों पर अक्सर प्रश्न पूछे जाते हैं। इन्हें उदाहरण के तौर पर हमेशा याद रखें।

• यह प्रश्न सीधे-सीधे स्वतंत्रता की अवधारणा को समझाने के लिए आ सकता है। दोनों पहलुओं को विस्तार से लिखना और उदाहरण देना ज़रूरी है।

• स्वराज पर अक्सर सीधा प्रश्न आता है, खासकर गांधी जी और तिलक के विचारों के संदर्भ में। 'स्व' के शासन और 'स्व' के ऊपर शासन, दोनों पहलुओं को अच्छे से समझाना है।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर पूछा जाता है कि 'प्रतिबंधों की आवश्यकता और औचित्य' क्यों है, तो इसके मुख्य बिंदुओं को अच्छे से समझकर लिखना। 'अराजकता', 'सामाजिक व्यवस्था', 'सीमित साधन', और 'हानि' जैसे शब्दों का प्रयोग ज़रूर करना।

• उदारवाद और व्यक्ति के महत्व पर सवाल ज़रूर आता है! 'व्यक्तिगत स्वतंत्रता' और 'सहनशीलता' के बिंदुओं को उदाहरण के साथ विस्तार से समझाना, पूरे नंबर दिलाएगा।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता क्या है?' और 'जॉन स्टुअर्ट मिल के इसके प्रतिबंधों पर क्या विचार थे?' – इन दोनों बिंदुओं को उदाहरणों के साथ अच्छी तरह से तैयार कर लेना।

एक नज़र में रिवीज़न

› स्वतंत्रता = प्रतिबंधों का अभाव + आत्म-विकास का अवसर।

› मंडेला: 27 साल जेल, रंगभेद के खिलाफ; सू की: भय से मुक्ति, घर पर नज़रबंद।

› स्वतंत्रता: बाहरी प्रतिबंधों का अभाव + आत्म-अभिव्यक्ति व क्षमता विकास के अवसर।

› स्वराज = 'स्व' का शासन + 'स्व' के ऊपर शासन; बाहरी और भीतरी स्वतंत्रता।

› अव्यवस्था रोकने, सामाजिक व्यवस्था व अन्य को हानि से बचाने को प्रतिबंध आवश्यक।

› उदारवाद: व्यक्ति केंद्र में, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और सहनशीलता पर जोर।

› अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण, मिल के तर्क, प्रतिबंध: सीधा नुकसान/सुरक्षा खतरे में।